# डोनाल्ड ट्रम्प की नई मध्य पूर्व योजना क्या कहती है

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

इंडियन एक्सप्रेस

30 जनवरी, 2020

**"आलोचकों का कहना है कि ट्रम्प का वास्तविक इरादा भविष्य की बातचीत के शुरुआती बिंदु को बदलना हो सकता है, जिसमें फिलिस्तीनियों को शुरू में नुकसान का सामना करना पड़ेगा और क्षेत्र में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए युद्ध करना होगा।"**

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्य पूर्व योजना, यानी पीस टू प्रोस्पेरिटी (Peace to Prosperity): इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा फिलीस्तीनी और इजरायल के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का उपाय, 'एक टिकाऊ शांति के लिए यथार्थवादी मार्ग' के रूप में प्रशंसा की गई है, लेकिन राष्ट्रपति महमूद अब्बास द्वारा अस्वीकार कर दिया गया है। राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने दुनिया के शक्तिशाली देशों से ट्रंप की पहल को खारिज करने की अपील की है। अब्बास को आशंका है कि शांति योजना के नाम पर ट्रंप इजरायल को फिलीस्तीनी इलाकों पर कब्जा करने का और अधिकार दे देंगे जिससे स्वतंत्र फिलीस्तीन की स्थापना का सपना बहुत दूर हो जाएगा।

पर्यवेक्षकों ने कहा है कि सौदा जो बिना किसी सार्थक फिलिस्तीनी भागीदारी के तैयार किया गया था, इजरायल के पक्ष में बनाया गया है। यह यरुशलम को अपनी राजधानी के रूप में एकीकृत करता है और इसे वेस्ट बैंक में अपनी किसी भी अवैध बस्तियों को नष्ट करने की आवश्यकता नहीं है। हालाँकि, यह सौदा फिलिस्तीनियों के लिए एक अमेरिकी-मान्यता प्राप्त अर्ध-संप्रभु राज्य की संभावना प्रदान करता है, जिसकी कोई स्थायी सेना नहीं होगी; साथ ही इन्हें इजरायल के प्रति हिंसक रवैये को भी छोड़ना होगा और गाजा को नियंत्रित करने वाले हमास के विघटन को सुनिश्चित करना होगा।

राष्ट्रपति के दामाद जेरेड कुशनर, जो योजना के मुख्य वास्तुकार हैं, ने कहा है कि फिलिस्तीनियों को 'गुमराह' करने वाले बयान देने से बचना चाहिए और इस शांति समझौते को अपना लेना चाहिए, क्योंकि 'यह उनके लिए एक बड़ा अवसर है।'

डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की बर्नी सैंडर्स और एलिजाबेथ वॉरेन ने इस योजना को 'अस्वीकार्य' और 'बनावटी' कहा है। आलोचकों का कहना है कि ट्रम्प का वास्तविक इरादा भविष्य की बातचीत के शुरुआती बिंदु को बदलना हो सकता है, जिसमें फिलिस्तीनियों को शुरू में नुकसान का सामना करना पड़ेगा और क्षेत्र में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए युद्ध करना होगा।

**यरुशलम की स्थिति**

यैरुशलम पर इजराइल और फिलिस्तीन दोनों दावा करते हैं। ट्रम्प के इस योजना के अनुसार, यरूशलम को विभाजित नहीं किया जाएगा और यह 'इजराइल राज्य की संप्रभु राजधानी' रहेगा। इस योजना के तहत् पूर्वी येरूशलम में एक फिलीस्तीनी राजधानी बनने

की जगह मिलेगी, जहाँ पर अमेरिका गर्व के साथ अपना दूतावास खोलेगा। लेकिन अमरीकी राष्ट्रपति ने ये भी स्पष्ट किया है कि इस योजना के तहत् इसरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के क्षेत्र में कटौती नहीं की जाएगी, साथ ही योजना के अनुसार 'यरूशलम की पवित्र स्थलें वर्तमान शासन व्यवस्था के अधीन रहेंगी और ये सभी धर्मों के शांतिपूर्ण उपासकों और पर्यटकों के लिए खुली रहेंगी।'

1967 के युद्ध के दौरान इजरायल ने पूर्वी यरुशलम पर कब्जा कर लिया, जिसमें टेंपल माउंट, पश्चिमी दीवार, अल-अक्सा मस्जिद और डोम ऑफ द रॉक शामिल था। इजराइल के लिए यरुशलम इसकी अविभाजित राजधानी है और अमेरिका ने मई 2018 में तेल अवीव से अपने दूतावास को शहर में स्थानांतरित कर दिया लेकिन बहुत कम देश इसे इस तरह से पहचानते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पूर्वी यरुशलम की इजरायली घोषणा की निंदा की है।

राष्ट्रपति अब्बास ने घोषणा की है कि 'यरुशलम बिक्री के लिए नहीं है'। अकेले इस प्रस्ताव में ट्रम्प की योजना को गैर-स्टार्टर बनाने की पर्याप्त क्षमता है।

**सीमाओं का परिवर्तन**

व्हाइट हाउस ने एक 'वैचारिक मानचित्र' जारी किया है जिसमें कहा गया है कि यह इजरायल की सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करता है, फिलिस्तीनियों को 'महत्वपूर्ण क्षेत्रीय विस्तार' की अनुमति देता है।'

हालाँकि, योजना कहती है कि इजराइल 'किसी भी बस्तियों को नहीं हटाएगा और इजरायल की बस्तियों के विशाल हिस्से को सन्निहित इजरायली क्षेत्र में शामिल करेगा' और 'फिलीस्तीनी क्षेत्र के अंदर स्थित इजराइली एन्क्लेव इजराइल राज्य का हिस्सा बन जाएगा तथा इसे एक प्रभावी परिवहन सेवा के माध्यम से जोड़ा जाएगा। यह विचार काफी मुश्किल प्रतीत हो रहा है।
कि वेस्ट बैंक में अवैध इजरायली बस्तियाँ कानूनी रूप से स्थायी बन जाएंगी,

इस योजना के अनुसार, जॉर्डन घाटी, जो इजरायल की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण है, इजरायल की संप्रभुता के तहत् होगा। इसमें यह भी कहा गया है कि इजरायल चार साल तक 'लैंड फ्रीज' का पालन करेगा, इस दौरान फिलिस्तीनी पुनर्विचार कर सकता है कि उसे वार्ता में शामिल होना है या नहीं। हालाँकि, नेतन्याहू ने कहा है कि वह रविवार को जॉर्डन घाटी और वेस्ट बैंक में सभी यहूदी बस्तियों को खत्म करने के लिए कैबिनेट की मंजूरी की माँग करेंगे यह कदम जिसे संभवत: फिलीस्तीनियों द्वारा एक वृद्धि के रूप में देखा जाएगा।

**आर्थिक पैकेज**

योजना कहती है कि इसमें '10 वर्षों में नए निवेश में + 50 बिलियन से अधिक की सुविधा देने की क्षमता है', और 'मूल रूप से इससे वेस्ट बैंक और गाजा को बदला जा सकता हैं।' इसमें वेस्ट बैंक और गाजा के बीच 'उच्च गति परिवहन लिंक' सहित आवश्यक बुनियादी ढाँचे का निर्माण, निजी क्षेत्र की वृद्धि को बढ़ावा देना, शिक्षा का उन्नयन और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार और फिलिस्तीनी जीवन की समग्र गुणवत्ता शामिल है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि यह योजना 10 वर्षों में फिलिस्तीनियों के लिए 1 मिलियन नए रोजगार का सृजन करेगी, साथ ही इन्होंने कहा कि इस योजना से फिलिस्तीनी अर्थव्यवस्था का आकार दोगुना होगा, गरीबी आधी होगी और बेरोजगारी 10% कम हो जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पैसे की आपूर्ति अंतरराष्ट्रीय दानदाताओं मुख्य रूप से अरब देशों द्वारा।
की जाएगी।

## संभावित प्रश्न ( प्रारंभिक परीक्षा )

**प्र. हाल ही में, अमेरिका ने मध्य पूर्व में शांति स्थापित करने के लिए बहुप्रतीक्षित योजना पेश किया है। इस योजना के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. इसके द्वारा पूर्वी यरुशलम में फिलीस्तीन को राजधानी बनाने के लिए कुछ क्षेत्र दिया जाएगा।
2. इस योजना को इजराइल और फिलीस्तीन दोनों देशों द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

## Expected Questions (Prelims Exams)

**Q. Recently, the US has introduced the much-awaited plan to establish peace in the Middle East. Consider the following statements in the context of this plan.**

1. It will give some territory to Palestine to build the capital in East Jerusalem.
2. This plan has been accepted by both countries Israel and Palestine.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2

(c) Both 1 and 2 (d) None of these

**नोट : 29 जनवरी को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा ( संभावित प्रश्न ) का उत्तर 1 (a) होगा।**

## संभावित प्रश्न ( मुख्य परीक्षा )

**प्रश्न: डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित नई मध्य-पूर्व योजना पश्चिम एशिया को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है? टिप्पणी कीजिए। ( 250 शब्द )**

**How could Donald Trump's proposed new Middle-East plan affect West Asia?Comment (250 words)**

**नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।**

Committed To Excellence